

ज्योतिष शास्त्र

ग्रहों के अनुसार घर में लगाएं पेड़, दूर होंगे दोष, लक्षणीजी हो जाएंगी प्रसन्न



चिलचिलाती गर्मी, तपती धूप से जल्द ही राहत मिलने वाली है। जून के अंत में कई राज्यों में मानसून आ जाता है। बासिस के मौसम में पेड़ लगाना न सिर्फ पर्यावरण के लिए हाज से अच्छा है, बल्कि ये आपके जीवन को भी प्रभावित करता है। साथ से के अनुसार ग्रहों के अनुसार पेड़ लगाने पर कुड़ली में उस ग्रह की अशुभता दूर होती है। साथ ही किसी काम में बाधा भी नहीं होती है। साथ ही दोष शास्त्र में हर ग्रह, राशि व नक्षत्र के वृक्ष हैं। इन्हें लगाने से कायदा होता है। जानें ग्रह और नक्षत्र के अनुसार कौन सा पेड़ लगाना शुभफलदायी होगा।

यह पौधे सभी राशियों के लिए शुभ : नागर्वा, अशेष, जूनी, अजून, नारियल आदि के पौधे या पेड़ लगाना सभी राशियों के लिए शुभ माना जाता है।

ग्रहों के अनुसार पेड़ पौधे

मंदार का पेड़।

बुद्ध : पलाश या पौसर का पेड़।

शुर्य : मंदार का पेड़।

चंद्र : पलाश या पौसर का पेड़।

मंगल : नीम, ढाक या छैर का पेड़।

बुध : अपासना का पेड़, केला या चौड़े पते के पौधे।

गुरु : पारस पीपल, पीपल या केले का पेड़।

शुक्र : मूल का पेड़, कपास का पौधा और बैलदार पौधे जैसे कुमी प्लांट।

शनि : शनि का पेड़, कीरक, आक, खजर भी है।

राहु : दूर्घाटा, नारियल का पेड़ या चंदन का पेड़।

केतु : कुश का पेड़, इमली का पेड़, तिल के पौधे और केले का पेड़।

नक्षत्र अनुसार लगाए पौधे : अधिनिया के लिए कौदिला, भर्तीयी के लिए आंवला, कृतिका के लिए गुलड, रोहिणी के लिए जग्मन, मगधिरा के लिए झेर, अर्द्ध अंकला के लिए शीशम, पुरुषों के लिए बांस पुष्य के लिए पीपल, अर्लेशा के लिए नागकेसर, मध्य के लिए बट, पूर्व के लिए पलाश, उत्तर के लिए पाकड़, हृष्ण के लिए शिशा, अर्द्धशुक्र के लिए अंकोन, धधिराज के लिए शमी, शतभिरा के लिए अकड़ब, पूर्णिमाद्वय के लिए अम, उत्तरामद्वय के लिए नीम, रेवती नक्षत्र के लिए मधुआ पेड़।

15 जून को सूर्योदय मिथुन राशि ने करेंगे प्रवेश, इन राशि वालों की चमकेवी किस्मत



ग्रहों के अधिपति भगवन सर्व 15 जून की सुबह 4 बजकर 27 मिनट पर वृषभ राशि की यात्रा समाप्त करके मिथुन राशि में प्रवेश कर रहे हैं, जहां ये 16 जूनाई की दोपहर 11 बजकर 19 मिनट तक गोचर करेंगे उसके बाद कर्क राशि में चले जाएंगे। मिथुन राशि पर इनका गोचरकाल का अन्य राशियों पर कैसा प्रभावकारी रहेगा?

मेष राशि : राशि से तुरीय पराक्रम भाव में गोचर करते हुए सूर्योदय का प्रभाव आपके लिए किसी वरदान से कम नहीं है। कार्य व्यापार में उन्नति तो होगी ही सामाजिक पद प्रतिष्ठा भी बढ़ेगी। आध्यात्मिक मामलों में भी सुचि और बढ़ेगी। सकारी सर्विस के लिए प्रयास करना चाह रहे हों तो उस दृष्टि से ग्रह-गोचर बेद अनुकूल रहेगा। परिवार के विशेष सदस्यों से मतभेद बढ़ने न दें। यात्रा देशान का लाभ मिलेगा। विदेशी कंपनियों में सर्विस अथवा नागरिकता के लिए किया गया प्रयास भी सफल रहेगा।

वृषभ राशि : राशि से द्वितीय धन भाव में गोचर करते हुए सूर्योदय का प्रभाव कई तरह के अप्रत्याशित परिणाम दिलाएगा। व्यापी अर्थिक पक्ष मजबूत होगा किंतु किसी न किसी कारण से परायनक कलह और मानविक अशंका का समान करना ही पड़ेगा। स्वास्थ्य के प्रति चिंतनशील रहें, मर्गी वस्तुओं का क्रय करेंगे। कार्यक्षेत्र में बड़े योगदान की दें। यात्रा के लिए नूक्सानदाय सिद्ध हो सकता है, इन्हाँले अपनी यात्राओं को गोपनीय रखते हुए कार्य करेंगे तो अधिक सफल रहेंगे।

मिथुन राशि : आपकी राशि में गोचर करते हुए सूर्योदय का प्रभाव शारीरिक पीड़ियों से बचेंगे। किंतु आप में सहान और प्राक्रम की वृद्धि भी करेगा। निर्णय लेने की शक्ति बढ़ेगी। शासनसत्ता का पूर्ण सहयोग मिलेगा। केंद्र अथवा राज्य सरकार के विभागों में सर्विस आज के लिए अवैध करना हो तो उस दृष्टि से भी गोचर बेद अनुकूल रहेगा। विद्यार्थियों और प्रतियोगिता में बैठें वाले छात्रों की परीक्षा में अच्छे अंक लाने के लिए और प्रयास करने होंगे। वैवाहिक वार्ता सफल होने में थोड़ा और समय लगेगा।

कर्क राशि : राशि से बारवर्ष व्यय भाव में गोचर करते हुए सूर्योदय अत्यधिक भागदौड़ का समान तो करवाएं तो कहीं न कहीं आप थकान का भी अनुभव करेंगे। किसी मित्र से बिछड़ने का अप्रिय समाचार भी मिल सकता है। न्यायिक मामलों में सफलता मिलेगी। नए लोगों से मेल-जोल बढ़ेगा।

ग्रहों की सुरक्षा दूर भाग जाती हो, लेकिन दो कप पर ज्यादा पिया जाए तो कई सारी सेहत की समस्याओं को बढ़ा देता है।

मौर्यिंग ड्रिंक में अक्सर लोगों को बढ़ा देता है।

एनर्जी ब्रूस्ट करने के साथ ही ये नींद भगाने में भी मदद करती है। अक्सर लोगों को बढ़ा देता है।

कर्कोंपी के लिए कार्क राशि पर ज्यादा उपयोग करना होता है।

कर्कोंपी के लिए कार्क राशि पर ज्यादा उपयोग करना होता है।

कर्कोंपी के लिए कार्क राशि पर ज्यादा उपयोग करना होता है।

कर्कोंपी के लिए कार्क राशि पर ज्यादा उपयोग करना होता है।

कर्कोंपी के लिए कार्क राशि पर ज्यादा उपयोग करना होता है।

कर्कोंपी के लिए कार्क राशि पर ज्यादा उपयोग करना होता है।

कर्कोंपी के लिए कार्क राशि पर ज्यादा उपयोग करना होता है।

कर्कोंपी के लिए कार्क राशि पर ज्यादा उपयोग करना होता है।

कर्कोंपी के लिए कार्क राशि पर ज्यादा उपयोग करना होता है।

कर्कोंपी के लिए कार्क राशि पर ज्यादा उपयोग करना होता है।

कर्कोंपी के लिए कार्क राशि पर ज्यादा उपयोग करना होता है।

कर्कोंपी के लिए कार्क राशि पर ज्यादा उपयोग करना होता है।

कर्कोंपी के लिए कार्क राशि पर ज्यादा उपयोग करना होता है।

कर्कोंपी के लिए कार्क राशि पर ज्यादा उपयोग करना होता है।

कर्कोंपी के लिए कार्क राशि पर ज्यादा उपयोग करना होता है।

कर्कोंपी के लिए कार्क राशि पर ज्यादा उपयोग करना होता है।

कर्कोंपी के लिए कार्क राशि पर ज्यादा उपयोग करना होता है।

कर्कोंपी के लिए कार्क राशि पर ज्यादा उपयोग करना होता है।

कर्कोंपी के लिए कार्क राशि पर ज्यादा उपयोग करना होता है।

कर्कोंपी के लिए कार्क राशि पर ज्यादा उपयोग करना होता है।

कर्कोंपी के लिए कार्क राशि पर ज्यादा उपयोग करना होता है।

कर्कोंपी के लिए कार्क राशि पर ज्यादा उपयोग करना होता है।

कर्कोंपी के लिए कार्क राशि पर ज्यादा उपयोग करना होता है।

कर्कोंपी के लिए कार्क राशि पर ज्यादा उपयोग करना होता है।

कर्कोंपी के लिए कार्क राशि पर ज्यादा उपयोग करना होता है।

कर्कोंपी के लिए कार्क राशि पर ज्यादा उपयोग करना होता है।

कर्कोंपी के लिए कार्क राशि पर ज्यादा उपयोग करना होता है।

कर्कोंपी के लिए कार्क राशि पर ज्यादा उपयोग करना होता है।

कर्कोंपी के लिए कार्क राशि पर ज्यादा उपयोग करना होता है।

कर्कोंपी के लिए कार्क राशि पर ज्यादा उपयोग करना होता है।

कर्कोंपी के लिए कार्क राशि पर ज्यादा उपयोग करना होता है।

कर्कोंपी के लिए कार्क राशि पर ज्यादा उपयोग करना होता है।

कर्कोंपी के लिए कार्क राशि पर ज्यादा उपयोग करना होता है।

कर्कोंपी के लिए कार्क राशि पर ज्यादा उपयोग करना होता है।

कर्कोंपी के लिए कार्क राशि पर ज्यादा उपयोग करना होता है।

कर्कोंपी के लिए कार्क राशि पर ज्यादा उपयोग करना होता है।

कर्कोंपी के लिए कार्क राशि पर ज्यादा उपयोग करना ह